स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

विकलांग की किक से शुरू हुआ फुटबॉल विश्व कप

विश्व कप 2014 की शुरुआत अत्यंत रोमांचक ढंग से हुई। 12 जून 2014 के दिन एक विकलांग व्यक्ति ने मैदान पर रखी गेंद को किक मारकर विश्व कप प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

यह करिश्मा वॉक अगैन प्रोजेक्ट के वैज्ञानिकों व इंजीनियरों ने कर दिखाया है। मिगुएल निकोलेलिस के नेतृत्व में दुनिया भर के सौ वैज्ञानिकों के एक दल ने एक ऐसा बाह्य कंकाल तैयार किया था जिसे पहनकर कोई विकलांग व्यक्ति अपने दिमाग से सोचकर उस कंकाल के किसी भी अवयव को मनचाही क्रिया करने का आदेश दे सकता है।

विकलांग व्यक्ति ने वह बाह्य कंकाल पहना हुआ था और सिर पर टोपी लगाई हुई थी। इस टोपी में कई सारे इलेक्ट्रोड लगे थे जो उस व्यक्ति के दिमाग में उठने वाली विद्युत-तरंगों को पढ़ते हैं और उन्हें एक कंप्यूटर में भेजते हैं। कंप्यूटर इन संकेतों को यांत्रिक संकेतों में बदलकर कंकाल को भेजता है और कंकाल उनके अनुसार हरकत करता है। और तो और कंकाल दिमाग को वापिस फीडबैक भेजता है जिससे दिमाग को पता चल जाता है कि कंकाल ने उसका आदेश मानकर सही क्रिया की है।

उस व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी गई है। अलबत्ता, उस अनाम व्यक्ति की यह किक विकलांग व्यक्तियों के लिए आशा की एक किरण है।

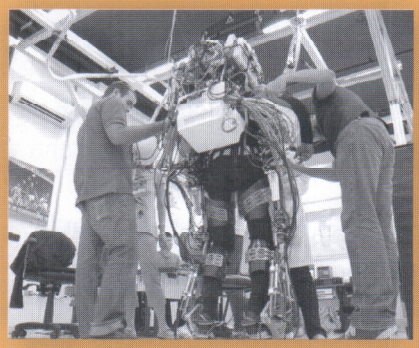

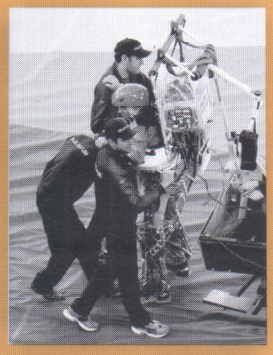

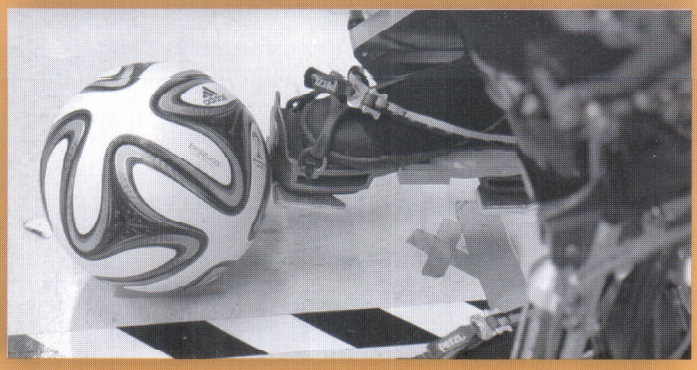

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी